SSLC വിദ്യാർത്ഥികൾക്കുള്ള പഠനസഹായി

ലക്ഷ്യം-2021

വിജയഭേരി പ്രോഗ്രാം
2020 – 2021

ഗവ.രാജാസ് ഹയർസെക്കണ്ടറി സ്കൂൾ
കോട്ടക്കൽ

इकाई -1

पाठ-1

बीरबहूटी

-प्रभात-

इकाई	पाठ का नाम	रचनाकार	प्रोक्ति	मुख्य पात्र	मुख्य घटनाएँ
1	बीरबहूटी	प्रभात	कहानी	बेला और साहिल	खेतों में बीरबहूटियों को खोजना।
				बेला, साहिल और दुकानदार	पैन में स्याही भरवाने दुकान पहुँचना।
				बेला, साहिल और सुरेंदर मास्टर साहब	बेला को गणित कक्षा में हुआ अपमान
				बेला, साहिल और बच्चे	बेला को सुल्ताना ड़ाकू कहकर चिढ़ाना।
				बेला, साहिल और बच्चे	गाँधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलने जाना।
				साहिल	साहिल की पिंड़ली में कील लग जाना।
				बेला और साहिल	पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आना।

I सूचनाः 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> "बेटा स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है। अब तो कल ही मिल पाएगी।"
> "लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही थी उसे भी ज़मीन पर छिड़क दिया।" बेला बोली।
> "बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।" दुकानवाले भैया ने कहा और पूछा
> "कौन-सी में पढ़ते हो ?"

1. बेला और साहिल दुकान क्यों पहुँचे? (1)

   (क) कलम खरीदने। (ख) लगंड़ी टाँग खेलने।

   (ग) बीरबहूटियों को खोजने। (घ) पैन में स्याही भरवाने।

   उत्तर : (घ) पैन में स्याही भरवाने।

2. बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए - दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा? (2)

   उत्तर : "बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना" -यह एक प्रयोग है। मतलब है कि बरसात की संभावना देखकर पानी भरे घड़े को मत ढुलाना। यहाँ साहिल ने दुकान से स्याही भरवाने के विश्वास में पैन में बची हुई स्याही ज़मीन पर छिड़क दी और बाद में भरवा भी न सका। मतलब है कि आनेवाली भलाई देखकर अपने पास बची हुई किसी को तच्छ समझकर छोड़ देना उचित नहीं होगा।

3. पैन में स्याही भरने के संबंध में बेला साहिल और दुकानदार के बीच बातचीत हुई। यह बातचीत कल्पना करके लिखें। (बातचीत में कम से कम छह विनिमय हो) (4)

अथवा

मान लें 14 सितंबर को आपके स्कूल में हिंन्दी मंच के तत्वावधान में साहित्यकार प्रभात की बीरबहूटी कहानी का मंचीकरण होनेवाला है। इसकी सूचना देनेवाला एक पोस्टर तैयार करें।

उत्तरः

बेला	:	भैया, एक पैन स्याही भर दें।
दुकानदार	:	अरे, स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है।
साहिल	:	खाली हो गई ? बापरे.....!
दुकानदार	:	अब तो कल ही मिल पाएगी।
बेला	:	इसने तो पैन में बची हुई स्याही ज़मीन पर छिड़क दि।

दुकानदार : अरे बच्चो, बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।

साहिल : हाँ गलती हुई। अब कैसे लिखूँ ?

दुकानदार : कौन-सी में पढते हो?

साहिल : पाँचवीं में।

दुकानदार : दोनों?

बेला : हाँ, एक ही सैक्शन में।

दुकानदार : अच्छा।

उत्तर:

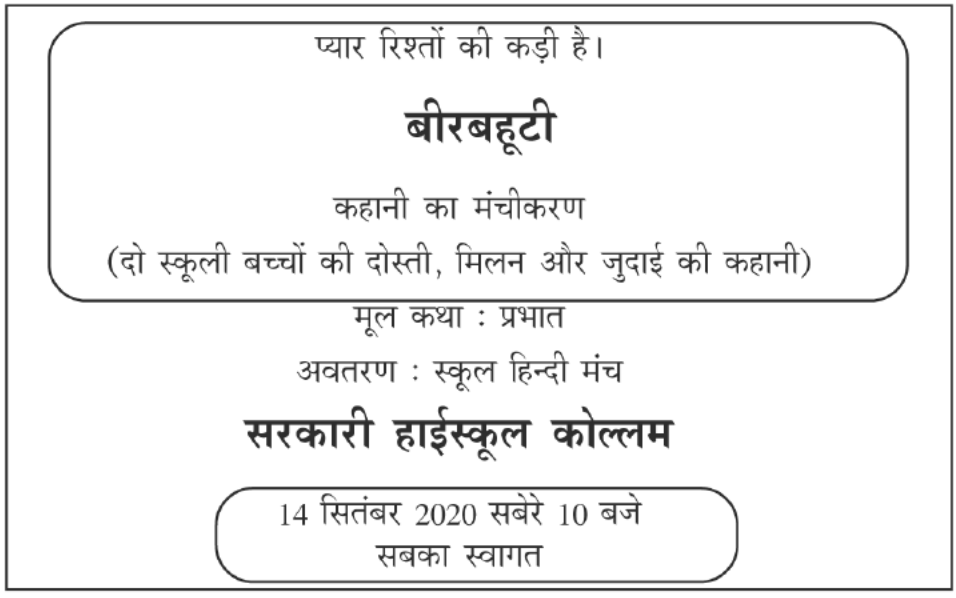

II. सूचना: बीरबहूटी कहानी का यह खंड़ पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

एक दिन सुरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया। पर शायद जिस गलती को पाकर वे उसके बाल पकड़कर फेंकनेवाले थे, वह गलती थी ही नहीं। (1)

1. सही विकल्प चुनकर लिखें।

(क) यह + के = उसके (ख) यह + को = उसके

(ग) वह + को = उसके (घ) वह + के = उसके

उत्तर:

(घ) वह + के = उसके

बच्चे सुरेंदर मास्टर साहब से डरते थे	साहिल बूरी तरह डर गया।
एक दिन सुरेंदर मास्टर साहब ने	क्योंकि साहिल के सामने उसे पीट मिला।
बेला का भयभीत चेहरा देखकर	क्योंकि वे ज़रा सी गलती पर बच्चों को फेंक देते और मारने लगते।
बेला का मन बहुत खराब हो गया	बेला के बालों में पंज़ा फँसाया।

उत्तर:

बच्चे सुरेंदर मास्टर साहब से डरते थे	क्योंकि वे ज़रा सी गलती पर बच्चों को फेंक देते और मारने लगते।
एक दिन सुरेंदर मास्टर साहब ने	बेला के बालों में पंज़ा फँसाया।
बेला का भयभीत चेहरा देखकर	साहिल बुरी तरह ड़र गया।
बेला का मन बहुत खराब हो गया	क्योंकि साहिल के सामने उसे पीट मिला।

3. बेला का मन बहुत खराब हो गया। सच में उसने कोई गलती नहीं की थी घर जाकर वह अपना अनुभव (4)
ड़ायरी में लिखती है। बेला की संभावित डायरी लिखें।

अथवा

घर जाकर बेला अपनी माँ से इस घटना के संबंध में सब कुछ बताती है। माँ और बेला की बातचीत तैयार करें।

उत्तर:

20 मार्च 1980 बुधवार

आज शायद मेरे लिए अच्छा दिन नहीं। ऐसा एक दिन ज़िन्दगी में कभी नहीं हुआ। साहिल के सामने यह अपमान! सोच भी नहीं सकती। स्कूल में गणित का पीरियड था। क्लास में आते ही माटसाब काँपी जाँचने लगे। काँपी जाँचते वक्त मास्टरजी की नज़र मुझपर पडी। मैं ने तो काँपी लिखी थी। फिर भी....। बिना कुछ कहे मास्टर जी ने मेरा बाल पकडकर फेंका। सब बच्चों की नज़र मुझपर पडी। मेरे भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था। मैं ने उसकी ओर देखा ही नहीं। कुछ समय के बाद मास्टर जी ने काँपी मेरे बैठने की जगह पर फेंकी और मुझसे बैठने को कहा। मुझे अब भी पता नहीं कि मेरी गलती क्या थी? ऐसा अनुभव जीवन में कभी नहीं हुआ है। यादें मन से दूर होती ही नहीं। एक दुर्दिन की समाप्ति।

माँ : अरी बेला, चुप क्यों हो?

बेला : कुछ नहीं माँ।

माँ : बताओ न क्या हुआ?

बेला : कक्षा में मुझे पीटा।

माँ : क्यों? किसने पीटा?

बेला : गणित के अध्यापक सुरेंदर माटसाब ने। कोई गलती ही नहीं थी।

माँ : फिर क्यों?

बेला : पता नहीं माँ। उन्होंने काँपी को मेरे बैठने की जगह पर फेंका।

माँ : अरी बेटी, रो मत।

बेला : मुझे अब भी पता नहीं कि मेरी गलती क्या थी? सब साहिल के सामने।

माँ : फिक्र मत कर बेटी, मैं उनसे बात करूँ।

III. सूचनाः बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था।

"साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?" बेला ने पुछा।

"ओर तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?" साहिल ने पूछा।

"मेरे पापा कह रहे थे कि मुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?"

"मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।"

1. **साहिल** के स्थान पर **बेला** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

साहिल अब तुम कहाँ पढोगे?

(क) बेला .....।

उत्तर :

बेला तुम कहाँ पढ़ोगी?

2. कोष्ठक के शब्दों से पिरामिड़ की पूर्ति करें।

(बीरबहूटियों के रंग के, लाल)

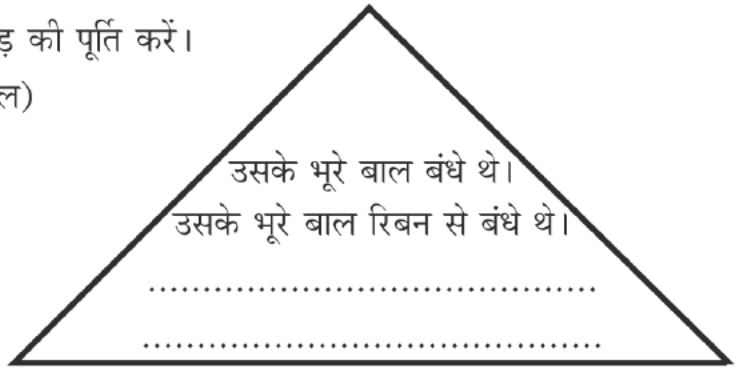

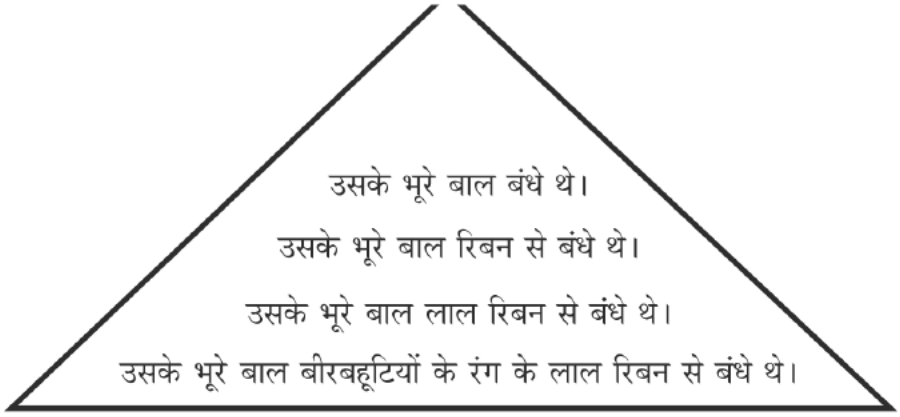

3. कहानी के इस प्रसंग के अनुसार पटकथा का एक दृश्य लिखें।

अथवा

स्कूल में बेला और साहिल का अंतिम दिन था। रिपोर्ट कार्ड़ लेकर दोनों अपने अपने घर चले उस दिन साहिल को नींद न आयी। साहिल की उस दिन की डायरी तैयार करें।

उत्तरः

(सुबह ग्यारह बजे, फुलेरा कस्बे की एक गली, वर्दीधारी बेला और साहिल गली की सड़क के किनारे खड़े हैं। दोनों के हाथों में रिपोर्ट कार्ड। बारिश का मौसम।)

बेला : अरे साहिल, अब तुम कहाँ पढ़ोगे ?

साहिल : अजमेर में, और तुम ?

बेला : राजकीय कन्या पाठशाला में।

साहिल : अरे बेला ज़रा तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड़ दिखाना।

(दोनों रिपोर्ट कार्ड़ एक दूसरे को दिखाते हैं)

बेला : अरे तुम्हें अजमेर क्यों भेजते?

साहिल : पता नहीं। वहाँ एक हॉस्टल है।

(बेला की आंखों से आँसु आती है)

बेला : तो आगे तुम फुलेरा में नहीं रहोगे न?

साहिल : अरे तू रोती क्यों?

(साहिल की आँखें लाल हो जाती है)

बेला : कुछ नहीं। साहिल, अरे तू भी रोता है न?

साहिल : नहीं तो?

(बेला साहिल को चिढ़ाती है।)

बेला : रोनी सूरत साहिल, रोनी सूरत साहिल।

साहिल : अरे, अपना ख्याल रखना। वर्षा की संभावना है।

बेला : हाँ, तो घर चलें।

साहिल : हाँ-हाँ।

(दोनों एक दूसरी दिशा में चले जाते हैं)

पाठ-2

हताश से एक व्यक्ति बैठ गया था

(विनोद कुमार शुक्ल की कविता पर नरेश सक्सेना की टिप्पणी)

प्रश्न (Questions)

I सूचना: हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था, विश्लेषणात्मक टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> व्यक्ति को मैं नही जानता था। हताशा को जानता था कहते ही वे 'जानने' की हमारी उस जानी-पहचानी रूढ़ि को तोड़ देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोड़ती है। यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते।

1. हताश व्यक्ति को देखकर कवि ने क्या किया? (1)
   - (क) कवि ने हताश व्यक्ति को पैसा दिया।
   - (ख) कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की।
   - (ग) कवि ने हताश व्यक्ति का नाम पूछा।
   - (घ) कवि ने हताश व्यक्ति को वहाँ छोड़कर चला गया।

उत्तर :

(ख) कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की।

2. **'उसकी'**- इस शब्द में निहित सर्वनाम कौन-सा है? (1)

(यह, वह, ये, वे)

उत्तर : वह

3. **'जानना'** शब्द के लेखक की व्याख्या से आप कहाँ तक सहमत है? (2)

उत्तर : जानना शब्द के लेखक की व्याख्या बिलकुल सही है। सच में एक व्यक्ति को जानने का मतलब उसकी भौतिक जानकारी को जानना नहीं, बाल्कि उसकी निराशा, असहायता और उसकी माँग को जानना है। तब तो जानने का अर्थ पूर्ण हो जाएगा।

(जाति से जानना, असाहायता को जानना. ओहदे से जानना, हालत को जानना. रंग से जानना, निराशा को जानना)

जानने के रूढ़िग्रस्त आधार	जानने के असली आधार
.....	.....
.....	.....
.....	.....

उत्तर :

जानने के रूढ़िग्रस्त आधार	**जानने के असली आधार**
जाति से जानना	असाहायता को जानना
ओहदे से जानना	हालत को जानना
रंग से जानना	निराशा को जानना

अथवा

'रक्त दान जीवन दान' - इस विषय पर एक पोस्टर तैयार करें।

उत्तर :

हरेक पल कीमती है, चलें रक्त दान करें, एक जान बचाएँ।

स्वेच्छा से करो रक्त दान, जीवन में पाओ महान स्थान।
रक्तदान अपने स्वास्थ्य के लिए खतरनाक नहीं।
रक्तदान एक महायज्ञ है।

पाठ-3
टूटा पहिया

प्रश्न (Questions)

I सूचनाः 'टूटा पहिया' कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!
क्या जाने; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सोनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए!

1. इस कविता में चित्रित प्रमुख पौराणिक पात्र कौन है? (1)
   (क) अभिमन्यु (ख) अर्जुन (ग) श्री कृष्ण (घ) टूटा पहिया

उत्तर :
   (क) अभिमन्यु

2. यह कविता कौन-सी पौराणिक कहानी से संबंधित है? (1)
   (क) रामायण (ख) महाभारत (ग) पंचतंत्र (घ) अर्थशास्त्र

उत्तर :
   (ख) महाभारत

3. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें। (2)
   मैं रथ का टूटा चक्र हूँ, पर मुझे तुच्छ समझकर मत छोड़ना।

उत्तर :
   मैं
   रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
   लेकिन मुझे फेंको मत!

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बड़े-बड़े महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

1. अपने पक्ष को असत्य जानने हुए भी - यह किसके बारे में कहा गया है? (1)
   (क) कौरव पक्ष के महारथियों के बारे में।
   (ख) पांड़व पक्ष के महारथियों के बारे में।
   (ग) श्री कृष्ण के बारे में।
   (घ) अभिमन्यु के बारे में।

उत्तर :

   (क) कौरव पक्ष के महारथियों के बारे में।

2. युद्ध में निरायुध अभिमन्यु को अचानक किसकी सहायता मिली? (1)
   (क) पांड़वों की सहायता।
   (ख) एक टूटे पहिए की सहायता।
   (ग) अर्जुन की सहायता।
   (घ) ब्रह्मास्त्रों की सहायता।

उत्तर :

   (ख) एक टूटे पहिए की सहायता।

3. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें? (4)
   (क) महाभारत युध्द में वीर योद्धा अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी अधर्म के पक्ष में लड़ने के लिए बाध्य हो गए।
   (ख) बालक अभिमन्यु को महारथियों की मुकाबला करने के लिए टूटे पहिए का सहारा मिला।

उत्तर :

   (क) अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
   बड़े-बड़े महारथी
   अकेली निहत्थी आवाज़ को
   अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें

   (ख) तब मैं
   रथ का टूटा हुआ पहिया
   उसके हाथों में
   ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत
इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

1. टूटा पहिया - इस शब्द में टूटा शब्द.....है? (1)
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम (ग) क्रिया (घ) विशेषण

उत्तर :

(घ) विशेषण

2. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें। (2)
बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो जाए तो सत्य का पक्ष टूटे पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो जाता है।
इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

3. कवि और कविता का परिचय करते हुए 'टूटा पहिया' कविता का आशय लिखें। (4)

उत्तर :

मुझे फेंको मत

आधुनिक हिंदी साहित्य के एक प्रमुख साहित्यकार हैं धर्मवीर भारती। वे कवि है, नाटककार है और सामाजिक विचारक भी। उनकी एक बहुचर्चित कविता है 'टूटा पहिया'। यह पुराण पर आधारित एक प्रतीकात्मक रचना है।

इस कविता का पात्र अभिमन्यु एक प्रतीक है। अधर्म से लड़नेवाले एक मानव का प्रतीक। अधर्मियों से रचे गए चक्रव्यूह में, अंत में एक रथ का टूटा हुआ पहिया निरायुध अभिमन्यु का सहारा बनता है। कवि कहना चाहते हैं कि किसी को तुच्छ समझकर मत छोड़ना। किसी न किसी रूप में तुच्छ चीज़ें भी हमारी समस्याओं में काम आएगी। यहाँ चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीक है। बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो जाए तो सत्य का पक्ष टूटे पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो जाता है।

कवि कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय अधर्मियों का नहीं धर्मियों का है। अधर्म के विरुद्ध लड़नेवालों को कहीं से सहारा मिल ही जाएगा। कविता का संदेश यही है।

इकाई -2

पाठ-1

आई एम कलाम के बहाने

प्रश्न (Questions)

I सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मोरपाल ने मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा को खाने से पहले कभी राजमा देखा भी नहीं था। वह हमारे स्कूल से पन्द्रह किलोमीटर दूर के किसी गाँव से साईकिल चलाता रोज़ आता था। मैं आज तक जान नहीं पाया कि कैसे वह उस छाछ के डिब्बे को रोज़ पन्द्रह किलोमीटर बिना ज़रा भी छलकाए लिए आता था।

1. मोरपाल ने पहले कभी राजमा देखा नहीं था। कारण क्या होगा? (1)

(क) मोरपाल की अरुचि (ख) मोरपाल की गरीबी

(ग) मोरपाल की संपन्नता (घ) खेती का अभाव

उत्तर :

(ख) मोरपाल की गरीबी

2. सही वाक्य पहचानकर लिखें। (1)

(क) मोरपाल रोज़ आए करता था।

(ख) मोरपाल रोज़ आया करता था।

(ग) मोरपाल रोज़ आई करता था।

(घ) मोरपाल रोज़ आई करती थी।

उत्तर :

(ख) मोरपाल रोज़ आया करता था।

3. संबन्ध पहचानें और लिखें ? (2)

(मोरपाल, मिहिर, कला)

.....	पन्द्रह किलोमीटर सईकिल चलाकर रोज़ स्कूल आता था।
.....	टिफिन बॉक्स में राजमा ले आता था।

उत्तर :

मोरपाल	पन्द्रह किलोमीटर सईकिल चलाकर रोज़ स्कूल आता था।
मिहिर	टिफिन बॉक्स में राजमा ले आता था।

पर मोरपाल की **डायरी** तैयार करें। (4)

उत्तर :

20 मार्च 2002
आज मैं ने एक विशेष चीज़ खायी।
मेरा दोस्त मिहिर लाया था।
मैं ने इसे पहले कभी नहीं देखा था।
मिहिर ने इसका नाम राजमा बताया।
मेरे घर में आज तक राजमा नहीं बनाया था।
राजमा बहुत स्वादिष्ठ थी।
शायद कल भी वह राजमा ले आये।

अथवा

मोरपाल के अनुभवों का जिक्र करते हुए गरीब बच्चों की हालत विषय पर **लघु लेख** लिखें।

उत्तरः

गरीब बच्चों की हालत

आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। संविधान में सबके समान अधिकार होते हैं। लेकिन हमारे देश में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो स्कूल नहीं जा सकते। कुछ छात्र ऐसे भी हैं, जो पढाई बीच में छोडकर जाते।

गाँव के गरीब माँ बाप बच्चों को स्कूल भेजने के बदले काम पर ले जाते है। छोटे बच्चे खेती में माँ बाप की मदद करते है। इन बच्चों को खेत में कमरतोड मेहनत करना पडता है। गाँव के बच्चों को स्कूल के प्रति विशेष प्यार रहता है।

आजकल गरीब बच्चों को स्कूल पहुँचाने के लिए सरकार की अनेक योजनाएँ हैं।

II सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं स्कूल की नीली-खाकी यूनीफॉर्म से हमेशा चिढा करता और उसे पहनना हमेशा टाला करता वही मोरपाल मुझे जब भी दिखा हमेशा वही स्कूल की यूनीफॉर्म पहने ही दिखा।

1. मोरपाल को हमेशा स्कूली यूनीफॉर्म पहनते देखा। क्या कारण होगा? (1)

(क) उसके पास अनेक नीली खाकी यूनीफॉर्म था
(ख) शादी में जाने के लिए तैयार होकर आते थे।
(ग) एकमात्र कमीज़ पैंट का जोडा वह नीली-खाकी नया स्कूल यूनिफार्म थी।
(घ) स्कूल यूनीफॉर्म की नीली-खाकी रंग उसे पसंद था।

उत्तर :

(ग) एकमात्र कमीज़ पैंट का जोडा वह नीली-खाकी नया स्कूल यूनीफॉर्म थी।

2. मिहिर नीली-खाकी यूनीफॉर्म से हमेशा चिढ़ा करता था क्यों? (2)

मिहिर के पास स्कूल यूनिफार्म से बढकर अनेक अच्छे कपडे हैं। जिन्हें वह अपनी पसंद के अनुसार बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदता। इसलिए मिहिर के लिए स्कूल यूनीफॉर्म एक बोझ थी।

(क) मैं + का = मुझे (ख) मैं + की = मुझे

(ग) मैं + को = मुझे (घ) मैं + के = मुझे

उत्तर: (ग) मैं + को = मुझे

4. आपके स्कूल में 'आई एम कलाम के बहाने' नामक फिल्म का प्रदर्शन होनेवाला है। फिल्म प्रदर्शन के लिए **पोस्टर** तैयार करें। (3)

III. सूचना: 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

यह मुझे बहुत बाद में समझ आया कि जिस स्कूल में बिताए समय को मैं अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था, शायद वही मोरपाल के लिए उसके जीवन का सबसे अच्छा समय होता था। घर की कमरतोड़ मेहनत और खेत-मज़ूरी से इतर दिन का ऐसा एकमात्र समय जब वह बच्चा बना रह सकता था।

1. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें (1)

(क) स्कूल में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का सबसे अच्छा समय मानता है।

(ख) स्कूल में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का सबसे खराब समय मानता है।

(ग) घर में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का बुरा समय मानता है।

(घ) शहर के बाज़ारों में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का बुरा समय मानता है।

उत्तर :

(ख) स्किूल में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का सबसे खराब समय मानता है।

2. मोरपाल केलिए स्कूल में बिताए समय अपने जीवन का सबसे अच्छा समय था। इससे आप क्या समझा? (2)

घर की कमरतोड मेहनत और खेत मज़ूरी के बाद स्कूल में उसे खुशी मिलता था। स्कूल में वह बच्चा बन सकता था। दोस्तों के साथ पढाई, खेल कूद कर सकता था। इसलिए मोरपाल के लिए स्कूल में बिताए समय अपने जीवन का सबसे अच्छा समय लगता था।

लिखें। (4)

स्थान
तारीख

प्रिय मोरपाल,

तुम कैसे हो। गाँव में क्या हाल है? खेती कैसी चल रही है?

मैं ने कल आई एम कलाम के बहाने नामक सिनेमा देखा। उसमें दो लडके हैं,

एक 'शहर' का और दूसरा 'गाँव' का। उनको देखकर मुझे अपने बचपन की याद आई, स्कूल में एक साथ बैठना, खाने का अदली बदली करना, और एक साथ खेलना आदि। जब तुम पढाई छोड़कर गया तब मुझे बहुत दुख हुआ। मुझे तुमसे मिलने की बहुत इच्छा है।

माँ बाप को मेरा नमस्कार। एक दिन मैं आऊँगा, तुमसे मिलूँगा। घर में सबको मेरा प्यार।

आपका मित्र
मिहिर

सेवा में
मोपाल
रामपुर गाँव
कामटी, नागपुर

अभ्यास के लिए...

1. यह भी करें..... (2)

(गाँव से, पन्द्रह किलोमीटर)

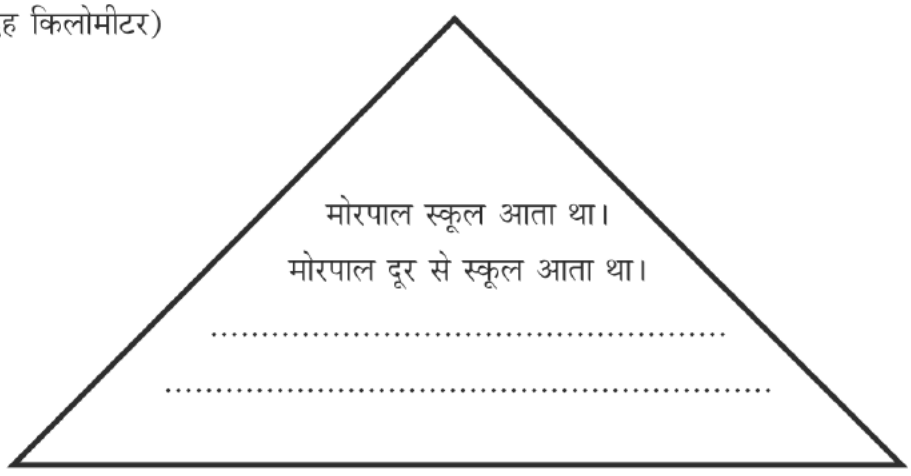

2. सही मिलान करें (2)

मोरपाल	परीक्षा से डरता है।
मिहिर	स्कूल जाना और बेहतर जीवन का सपना देखता है।
रण विजय	स्कूल के प्रति गहरा प्रेम करता है।
कलाम	स्कूल जाने में रोया करता।

फिल्म में कलाम दिल्ली भी पहुँचता है और उसे अपने पसंद के स्कूल जाने का मौका भी मिलता है। लेकिन मेरे बचपन के समय ऐसा नहीं होता। मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाता है।

1. मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाता है। कारण है (1)
   (क) पढाई में रुचि नहीं।
   (ख) गरीबी के कारण
   (ग) स्कूल पन्द्रह किलोमीटर दूर होने के कारण।
   (घ) साईकिल चलाना मुश्किल होने के कारण।
2. वाक्य पिरमिड की पूर्ती करे। (2)
   (कलाम को, अपनी पसंन्द के)

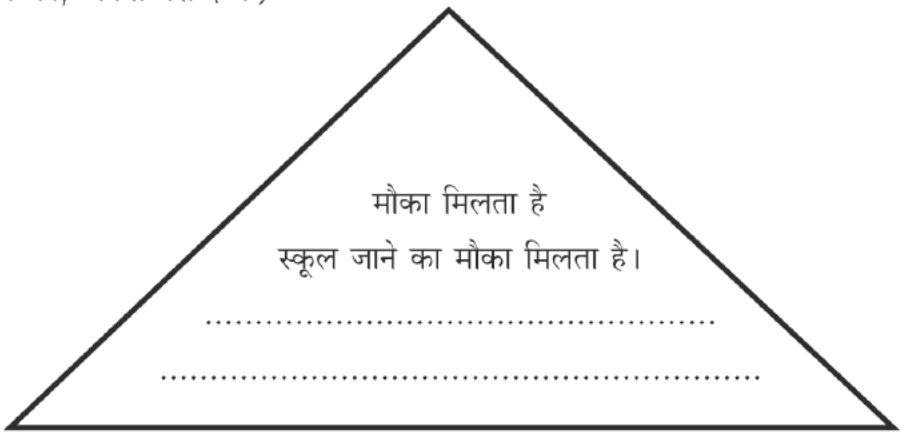

3. राष्ट्रपति कलाम के नाम पर छोटू या कलाम का पत्र कल्पना करके लिखें। (4)

IV. सूचनाः आई एम कलाम के बहाने फिल्मी लेख का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता। वह खुद ही अपना नाम कलाम रख लेता है। इस नाम में उसकी आकांक्षाओं का अक्स है। उसके हाथ की बनाई चाय में जादू है। भाटी सा भी उसकी कलाकारी की वाहवाही करते नहीं थकते।

1. छोटू की आकाँक्षाएँ क्या-क्या हैं? (2)
2. 'चाय में जादू है'। इसका मतलब है? (1)
   (क) चाय अच्छी नहीं है। (ख) बढिया चाय है।
   (ग) चाय बनाने के साथ जादू भी करता है। (घ) चाय बनाना नहीं आता है।
3. छोटु की चरित्रगत विशेषताओं पर टिपणी लिखें। (4)
   सहायक बिंदु
   - कलाम जैसे बनने की इच्छा
   - जल्द ही सब कुछ सीख लेता है।
   - कभी भी दोस्ती का प्रण नहीं तोड़ता है।

पाठ-2

सबसे बडा शो मैन

I सूचनाः 'सबसे बडा शो मैन' जीवनी का अंश पढें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया। मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद्द करने लगा। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड को झेल पाएगा।

1. मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद्द करने लगा। क्यों? (1)

उत्तरः माँ के दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था।

2. माँ डर गई। डरने का कारण क्या है? (2)

उत्तरः लोग अभद्र शोर कर रहे थे। इस समय मैनेजर ने चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद्द की। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड को झेल पाएगा।

3. इस घटना के आधार पर माँ अपनी **डायरी** लिख रही है। वह डायरी कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तरः

15 सितंबर 1880
यह दिन ज़िंदगी में नहीं भूलूँ।
गाते-गाते अचानक मेरी आवाज़ फट गई।
मेरे गले से फुसफुसाहट ही बाहर निकली।
लोग अभद्र शोर करने से मैनेजर मुझे अन्दर बुलाया।
चार्ली को मैनेजर मेरे दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा था।
इसलिए उन्होंने चार्ली को स्टेज भेजने के लिए ज़िद्द करने लगा।
लेकिन मेरे बेटे ने कमाल कर दिया।
अन्त में लोगों ने मुझसे हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ की।

"अंत में जब मैं उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाई। कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार।"

1. 'तारीफ करने' का मतलब है। (1)

(क) निंदा करना (ख) हँसी करना

(ग) शोर मचाना (घ) प्रशंसा करना

उत्तरः

(घ) प्रशंसा करना

2. दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाई। इसका क्या कारण है? (2)

पाँच साल का लडका चार्ली ने मशहूर गीत 'जैक जोन्स' गाना गाया। उसने नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल की। चार्ली ने दर्शकों से बातचीत की। ये सब देखकर दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाई।

3. चार्ली की माँ उस दिन का अनुभव अपनी सहेली को पत्र द्वारा बताना चाहती है। सहेली के नाम चार्ली की माँ का पत्र कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तरः

स्थान
तारीख

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो? कई दिनों से चिट्ठी लिखने की फुरसत नहीं मिली। चार्ली के बारे में बहुत कुछ बताने के लिए है। थियेटर में एक बार गाते-गाते मेरी आवाज़ फट गई। मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने के लिए जिद्द करने लगा। मुझे चार्ली को भेजना पडा। उसने जैक जौन्स गाना गाया, नृत्य किया, और अभिनय भी किया। उनकी बातें सुनकर लोग हँसते रहे और तालियाँ बजाई। चार्ली की माँ होने से में गर्व का अनुभव करती हूँ।

वहाँ क्या समाचार है? बच्चों से मेरा प्यार बताना।

तुम्हारी सहेली ।

हस्ताक्षर

सेवा में
नाम
पता

III सूचनाः 'सबसे बडा शो-मैन' जीवनी का अंश पढ़ें और नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखें।

लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर इसके छोटे बच्चे की तारीफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार..... दुनिया के सबसे बडे शो-मैन का यह पहला शो थी। उसने जन्म ले लिया था।

1. कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। कारण क्या है। (1)

(क) आवाज़ की तमाशा के कारण।

(ख) मैनेजर के साथ बहस होने के कारण।

(ग) बेटा चार्ली जनता में गुदगुदी फैलाने के कारण।

(घ) माँ की आखिरी स्टेज होने के कारण।

उत्तरः (ग) बेटा चार्ली जनता में गुदगुदी फैलाने के कारण।

माँ का गाना बीच में रुक गया। आवाज़ फट गई। लोग चिल्लाने लगे। माँ को स्टेज से बाहर जाना पडा। उसके पाँच साल का लडका चार्ली स्टेज पर आया।

3. बच्चा मैदान में खेलने लगा। **बच्चा** के स्थान पर **बच्ची** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें?

बच्ची मैदान में..... (1)

उत्तर :खेलने लगी।

4. चार्ली चैप्लिन और माँ के बीच की बातचीत को आगे बढाएँ। (चाक विनिमय) (4)

उत्तर :

माँ : बेटा, आज तूने कमाल कर दिया।
चैप्लिन : लेकिन मैं खुश नहीं हूँ, अम्मा।
माँ : क्यों?
चैप्लिन : आपको स्टेज से हटना पडा था न?
माँ : छोड दो, मैं खुश हूँ मेरा बेटा आज सबसे बडा अभिनेता बन गया।
चैप्लिन : माँ आप मेरे साथ गाना गाएगी?
माँ : ज़रूर बेटा,
चैप्लिन : कब गाएगी?
माँ : मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगी।

अभ्यास के लिए...

1. वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)

(हाथ मिलाकर, माँ से)

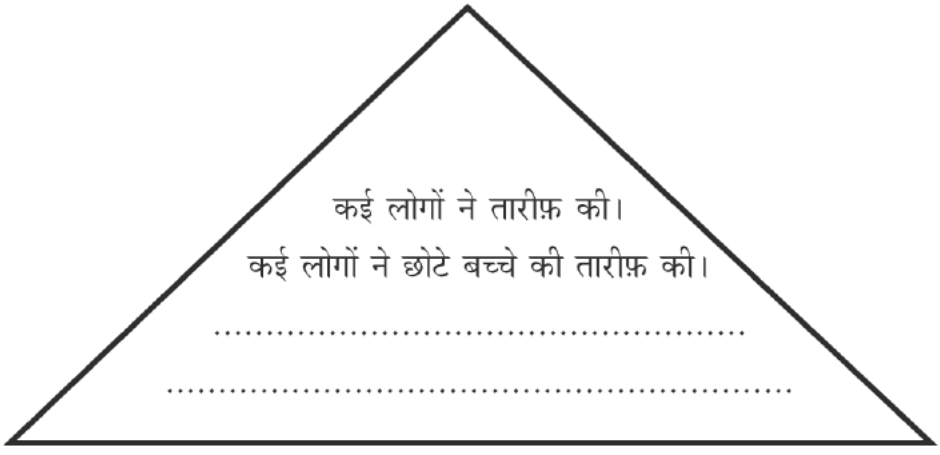

चार्ली की माँ की डायरी

20 जून 2020

सोमवार

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ ।

भूल नहीं सकती ।

आज मेरी आखिरी शो है ।

मेरा बेटा चार्ली का पहला शो।

आज उसने अपने अभिनय, गाना आदि से जनता को हाथ में लिया।

वह ज़रूर एक कलाकार बनूँ।

आज दुख के साथ खुशी का दिन है।

बेला की डायरी

20 जून 2020

सोमवार

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ। भूलूँगी नही।

आज मैं अपमानित हुई साहिल के सामने।

सुरेंदर जी मेरे बालों में पंजा फँसाया ।

साहिल मेरे बारे में क्या समझूँ।

आज दुख भरा दिन है।

बीरबहूटी पाठ का अंश पढें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

बेल का मन खराब हो गया। माटसाब चाहें मुझे पीट लेते मगर साहिल के समने नहीं। क्योकि वह जानती थी कि वह साहिल की नज़र में बहुत अच्छी है।

क्लास के बुरे अनुभवों पर बेला ने अपनी सहेली के नाम पर पत्र लिखा ।बेला का पत्र लिखें।

5 जून 1981

फुलेरा

प्रिय सहेली सोजा,

सप्रेम नमस्ते ।

तुम कैसी हो। मैं यहाँ सकुशल हूँ। तुम्हे देखकर कई दिन हो गए। आज कक्षा में एक विशेष बात हुई। इसलिए यह पत्र भेजती हूँ।

आज गणित की कक्षा में सुरेंदर माटसाब कॉपी जाँच रहे थे। क्या गलती थी मेरी कॉपी में, पता नहीं। उन्होंने मेरी कॉपी फेक दी। मेरे बालों में पंजा फँसाया । वह भी साहिल के सामने। माटसाहब चाहें मुझे पीट लें। मगर साहिल के सामने नहीं।तुम्हे मालूँ है न? वह मुझे कितनी अच्छी लड़की समझती है। आज वह मेरे बारे में क्या सोचता होगा ? लज्जा के कारण आज मैंने उसकी ओर देखा भी नहीं।

मैं अपना दुख और किसी से कहूँ, इसलिए इतना लिखा हूँ मैंने।

घर में सब ठीक है न? मुन्नी को मेरा प्यार। सभी से मेरी बातें कहना। तुम्हारे पत्र की प्रतिक्षा में।

तुम्हारी अपनी

बेला

पता

सोजा ,

कमला भवन,

पीला नगर,

राजस्थान ।

उस दिन बेला अपनी डायरी लिखें तो वह कैसी होगी। बेला की डायरी आप कल्पना करके लिखें ।

5 जून 1981

बुधवार

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ । भूल नहीं सकती ।

आज सुरेंदर माटसाहब मेरे बालों में पंजा फँसाया। वह भी साहिल के सामने । मेरी गलती क्या थी? मालूँ नहीं। मेरी कॉपी में कोई गलती नहीं थी। माटसाब चाहें मुझे पीट लें मगर साहिल के सामने नहीं। साहिल के नज़र में मैं कितनी अच्छी लड़की हूँ। आज वह मेरे बारे में क्या सोचा होगा। लज्जा से मैंने उसकी ओर देखा भी नहीं । मैं अपमानित हो गई साहिल के सामने।

अपमान के कारण नींद नहीं आती। आज दुख भरा बुरा दिन है मेरे जीवन का। यह दिन जीवन में मैं नहीं भूलती।

पोस्टर

अंतरराष्ट्रीय जल दिवस
मार्च 22

पानी जीवन का आधार

पानी की रक्षा जीवन की सुरक्षा

जल नहीं तो कल नहीं

जाति प्रथा एक अभिशाप
हम एक हैं

जाति से नहीं कर्म से महान बनते हैं।

हमारी जाति मानव जाति

जाति की जंजीर तोडें.... प्रगति प्राप्त करें

अंगदान दिवस

अगस्त-13

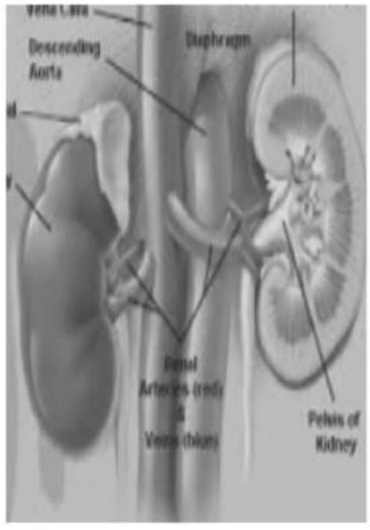

अंगदान महादान

अंग दें , जीवन दें

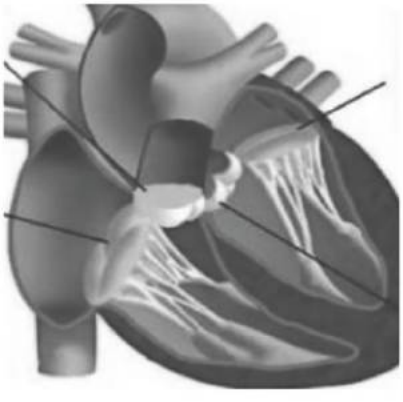

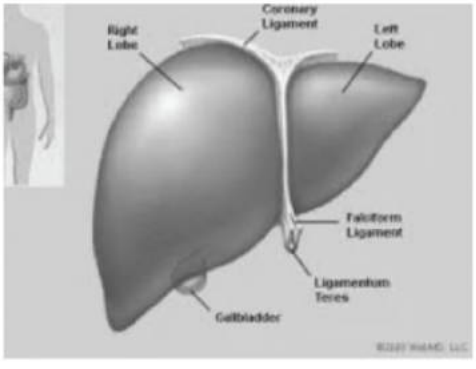

जून 12

बालश्रम विरुद्ध दिवस

बालश्रम रोकें

बालश्रम दंड़नीय अपराध

बच्चे पढ़े..... बच्चें बढ़ें.....

विश्व महिला दिवस

मार्च- 8

लड़के से कम नहीं लड़की

बच्ची होना पाप नहीं

लडका ≠ लड़की पुरुष ≠ स्त्री

'कोई किसीसे कम नहीं'

पटकथा	डायरी	पत्रलेखन	वार्तालाप
स्थान- समय- **कथापात्र-** **दृश्य-** **साहिल-** **बेला-** **साहिल-** **बेला-**	**गुरूवार** **21 मार्च 2019**	मुंबई, **21.03.2019** प्रिय ..... तुम कैसे हो ? मैं यहाँ सकुश्ल हूँ .... सेवा में **हस्ताक्षर** . ..... **(नाम)**	**जोखू:** **गंगी:** **जोखू:** **गंगी:** **जोखू:** **गंगी:** **जोखू:** **गंगी:**

रपट

.....शीर्षक(HEADING).....

लंदन:.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पोस्टर

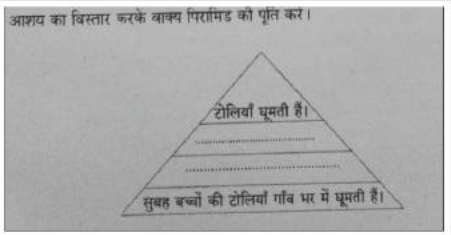

जाति प्रथा एक अभिशाप है

संसार में एक ही जाति है मानव जाति*

मानव-मानव समान

1.जलसंरक्षण

जल जीवन का आधार है

जल के बिना जीना असंभव है

जल नहीं तो हम नहीं

जलसंरक्षण करो------प्रकृति की रक्षा करो

बालश्रम के विरुद्ध पोस्टर तैयार करो

बालश्रम रोको, बालश्रम अपराध है

खेलें

बच्चे---- पढें

बढें

बालश्रम कानूनी अपराध है

2.अवयवदान

अवयवदान महादान है

अवयवदान करो

जीवन की रक्षा करो

3.रक्तदान

रक्तदान महादान है

रक्तदान करो

जीवन की रक्षा करो

सरकारी हाईस्कूल पट्टनचेरी

फिल्म फेस्टिवेल

चार्ली चैप्लिन और सत्यजित राय

12.07.2017

से

13.07.2017

समय:10 बजे 2 बजे

चार्ली चैप्लिन	सत्यजित राय
12.07.2017	12.07.2017
दि सरकस	सोनार किला
13.07.2017	13.07.2017
मॉडन टाइमस	पाथेर पांचाल

स्कूल सभागृह

सबका स्वागत

सरकारी हाईस्कूल पट्टनचेरी

बीरबहूटी

[मंचीकरण]

10.06.2017

शाम को 5 बजे

स्कूल सभागृह

सबका स्वागत

*****लडकी पराई नहीं *****

******अपनी ही है*******

लडकी को बचाओ

देश का महत्व बढाओ

युद्ध मानवता का विनाश है

**हथियार छोडें

**शांति अपनाएँ